

यूपी विधनसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव कितने भाजपा नेता को सपा में ले आएंगे? इन नामों की है चर्चा

(यंग भारत न्यूज)

यूपी तक के खास शो ‘आज का यूपी’ में हम राज्य की तीन बड़ी खबरों का विश्लेषण करते हैं. पहली बड़ी खबर में राज्यसभा चुनाव के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ‘80–20’ वाले बयान पर छिड़ा सियासी संग्राम और उस पर अखिलेश यादव का पलटवार शामिल है. दूसरी खबर आंवला से बीजेपी के पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप की बगावत, सोशल मीडिया से बीजेपी बायो हटाने और समाजवादी पार्टी में शामिल होने के संकेतों से जुड़ी है. वहीं तीसरी खबर राज्यसभा चुनाव के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री व बीजेपी के कद्दावर दलित नेता कौशल किशोर की बदौती नाराजगी को लेकर हैं।जिनका परिवार पार्टी में हो रही अनदेखी के बाद अब बीजेपी छोड़ने तक के संकेत दे रहा है.उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो चुके हैं जिसमें 10 में से 8 सीटें भारतीय जनता पार्टी और 2 सीटें समाजवादी पार्टी के खाते में जाती दिख रही हैं. इस चुनाव परिणाम के आधार पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए नया सियासी नैटवर्क ढाढ़ दिया है. सीएम योगी ने कहा कि राज्यसभा चुनाव ने दिखा दिया है



कि आगामी विधानसभा चुनाव 80-20 की लड़ाई बनने जा रहा है जहां 80 फीसदी एनडीए कि और 20 फीसदी में पीडीए रहने वाला है. मुख्यमंत्री के इस बयान पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तुरंत पलटवार किया. अखिलेश यादव ने सीएम योगी के बयान का वीडियो ट्वीट करते हुए इसे ‘पीड़ित, दुखी, अपमानित’ और ‘पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक के खिलाफ बीजेपी की धमकी बताया. अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को सोते-जागते हर समय पीडीए ही दिखाई देता है, इसलिए

उन्हें 108 की माला बनाकर ‘पीडीए’ का जाप करना चाहिए. सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली हार की बौखलाहट के कारण बीजेपी नेता संतुलन खो बैठे हैं. राज्यसभा चुनाव के बाद बीजेपी के भीतर से पहला बड़ा झटका आंवला के पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप की तरफ से आया है. रहलखंड इलाके में कश्यप और ओबीसी समाज के बड़े नेता माने जाने वाले धर्मेन्द्र कश्यप ने सोशल मीडिया पर ‘टाटा बाय-बाय’ लिखकर बगावत का बिगुल फूंक दिया है. इसके साथ ही उन्होंने अपने ‘झू’

हैंडल का बायो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वाली प्रोफाइल फोटो भी हटा दी है. 2024 के लोकसभा चुनाव में मामूली अंतर से चुनाव हारने वाले धर्मेन्द्र कश्यप ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर भीतरघात का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने उन्हें चुनाव हरावाया, जब वे मंच की पहली पंक्ति में बैठते हैं तो दर्द होता है. उन्होंने साफ संकेत दिया कि बीजेपी में उनकी बात नहीं सुनी जा रही है और वे जल्द ही अखिलेश यादव के साथ समाजवादी पार्टी का दामन थाम सकते हैं. अगर ऐसा होता है तो रहेलखंड और आसपास की करीब 25 विधानसभा सीटों पर बीजेपी का ओबीसी गणित बिगड़ सकता है. धर्मेन्द्र कश्यप के बाद बीजेपी के एक और कद्दावर दलित चेहरे और पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर की नाराजगी खुलकर सामने आ गई है. राज्यसभा चुनाव की सूची में जगह न मिलने और पार्टी कार्यक्रमों में लगातार अनदेखी किए जाने से कौशल किशोर का परिवार आहत है. बीजेपी ने पासी समाज से प्रियंका रावत को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया जिसके बाद कौशल किशोर के बेटे विकास किशोर ने सोशल मीडिया पर लिखा ‘जहां मां-पिताजी को इन्जत नहीं,

जमानत नहीं दिलवा पाए तो वकील साहब को ही उठवाया, मांगे 5 लाख. छुड़वाने आए वकीलों को भी बांधा, 22 पर एफआईआर?

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र से एक बेहद हैरान और शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है. इलाहाबाद हाईकोर्ट से एक मुकदमे में जमानत न दिला पाने से नाराज क्लाइंट्स ने साजिश रचकर वकील और उनके साथी को बुलाकर बंधक बना लिया.उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई और चाकू की नोक पर लाखों रुपये की रंगदारी मांगी गई. हद तो तब हो गई जब पीड़ित वकील को छुड़ाने लाखों रुपये लेकर पहुंचे प्रयागराज के दो सीनियर अधिवक्ताओं को भी आरोपियों ने बंधक बना लिया. पुलिस की तत्परता से सभी वकीलों को सकुशल मुक्त कराया गया है. जानकारी के अनुसार, प्रयागराज जिले के थरवई थाना क्षेत्र अंतर्गत कुरसंड निवासी अजय मिश्रा प्रयागराज जिला एवं सत्र न्यायालय में वकालत करते हैं. अजय मिश्रा जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र स्थित हैदरगंवा निवासी कुछ आरोपियों का मुकदमा देख रहे थे.एक अपराधिक मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत दिलाने के लिए क्लाइंट्स ने उन्हें 1.5 लाख रुपये फीस दी थी.



एडवोकेट ने हाईकोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की, लेकिन याचिका खारिज हो गई और आरोपियों को बेल नहीं मिल सकी. बेल खारिज होने पर आरोपियों ने साजिश रची और बातचीत के बहाने वकील को फोन करके जौनपुर बुलाया. 6 अक्टूबर 2026 की शाम करीब 7:30 बजे पीड़ित अजय मिश्रा अपने साथी के साथ प्रयागराज से जौनपुर पहुंचे. मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र के पुरऊपुर नगर पुलिसिया के पास दो कारों में सवार आरोपी पहले से घात लगाकर बैठे थे. आरोपियों ने चाकू की नोक पर वकील और उनके साथी

को कार में जबरन अगवा कर लिया. किसी गुप्त स्थान पर ले जाकर उनके साथ जमकर मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी देकर 5 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई. उन्हें देर रात डेढ़ बजे तक बंधक बनाकर रखा गया. गंभीर मारपीट के बाद जब आरोपियों ने पैसों के लिए दबाव बनाया, तो पीड़ित अधिवक्ता ने प्रयागराज में अपने सीनियर वकीलों को फोन कर पूरी बात बताई. मामला सुलझाने और साथी को छुड़ाने के लिए प्रयागराज से दो वरिष्ठ अधिवक्ता 1 लाख नकद लेकर जौनपुर पहुंचे. आरोप है कि दबंगों ने उनसे

1 लाख रुपये छीन लिए और उन्हें भी बंधक बना लिया. इसके बाद सभी चार लोगों को छोड़ने के बदले 5 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की जाने लगी. बंधक बने वकीलों ने बेहद सूझबूझ का परिचय दिया. उन्होंने प्रयागराज से और पैसे मंगवाने के बहाने फोन इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी और गुप्तचुप तरीके से पुलिस को पूरे मामले की सूचना दे दी. सूचना मिलते ही मुंगराबादशाहपुर थाना पुलिस की टीम ने लोकेशन ट्रैक कर तुरंत छापेमारी की और आरोपियों के चंगुल से चारों अधिवक्ताओं को सकुशल मुक्त करा लिया. मामले में मुंगराबादशाहपुर के प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे ने बताया पीड़ित अधिवक्ता की तहरीर के आधार पर कमल मिश्रा, राजेश तिवारी, राहुल यादव, शशि चौबे समेत 10 नामजद और 12 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है. घटना के बाद से ही सभी आरोपी फरार हैं. पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों में से कई हिस्ट्रीशीटर और अंतर्राज्यीय अपराधी हैं. उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं, जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा.

8:30 बजे रात में घर से निकली पत्नी, पीछा करते-करते पति भी. अंधेरे कमरे में प्रेमी संग पकड़ा और कर दिया कांड. पुलिस वालों ने बचाई जान!

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले से एक बेहद सनसनीखेज और खौफनाक मामला सामने आया है, जहां एकस्ट्रा मैरिटल अफेयर के शक में एक पति ने अपनी पत्नी और उसके कथित बाॅयफ्रेंड पर लाइसेंसी रिवाॅल्वर से ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं.फिरोजाबाद के उत्तर थाना क्षेत्र के कोटला चुंगी के पास डीएवी मार्केट में मंगलवार रात करीब 8:30 से 10 बजे के बीच यह खूनी संघर्ष हुआ, जब 35 वर्षीय ऋषभ तैलंग उर्फ बंटी ने अपनी पत्नी शिप्रा और उसके प्रेमी जितेंद्र ठाकुर उर्फ सनी को एक ऑफिस या इंटरनेट कैफे में अंधेरे में साथ देख लिया. गुप्से में आगबबूला होकर ऋषभ ने 4 से 5 राउंड फायरिंग कर दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तुरंत आगरा रेफर कर दिया गया, जहां पुलिसकर्मियों द्वारा ब्लड डोनेट करने पर शिप्रा की जान बची, जबकि आरोपी पति को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया. ऋषभ तैलंग ने पुलिस पूछताछ में खुलासा किया कि उसकी शादी मथुरा की रहने वाली शिप्रा से जून 2017 में हुई थी और दोनों के दो बेटे भी हैं. ऋषभ के स्कूल में इंटरनेट का काम देखने वाले सनी (शिवा ठाकुर) से शिप्रा की नजदीकियां बढ़ गई थीं, जिसके चलते दोनों के बीच विवाद रहने लगा था. ऋषभ का आरोप है कि सनी की संगत की वजह से शिप्रा को शराब पीने की लत लग गई थी और वह लगातार डिवोर्स की मांग कर रही थी. मंगलवार रात शिप्रा यह कहकर घर से निकली थी कि वह वकील से मिलने जा रही है, लेकिन शक होने पर जब ऋषभ ने उसका पीछा किया, तो वह सोधे कोटला चुंगी पर सनी की दुकान पर पहुंची जहां अंदर लाइट बंद थी. गुप्से में आकर ऋषभ ने अपनी लाइसेंसी रिवाॅल्वर से अपनी पत्नी और उसके प्रेमी पर गोलियां बरसा दीं. इस फायरिंग में सनी को तीन गोलियां लगीं, जिसमें दो सीने और पसलियों की पास थीं और उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है. वहीं शिप्रा को भी बाएँ कंधे, पेट और पसलियों में गोलियां लगीं तथा एक गोली हाथ को छूकर निकल गई. हमले के बाद लहलुहान हालत में शिप्रा जान बचाने के लिए पास की एक दुकान में घुसी और दुकानदार से फोन लेकर अपने परिवार को रोते हुए अपनी हालत की जानकारी दी.इसके बाद दोनों को तुरंत फिरोजाबाद से आगरा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया. डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर शिप्रा के पेट से गोली निकाली. अत्यधिक खून बहने के कारण पुलिस अधिकारियों ने खुद आगे आकर ब्लड डोनेट किया, जिससे उसकी जान बच गई. पुलिस ने मौके से आरोपी ऋषभ को गिरफ्तार कर उसकी लाइसेंसी बंदूक और खाली कारतूस बरामद कर लिए. यह परिवारिक कलह और विवाद रातों-रात पैदा नहीं हुआ था, बल्कि इसके पीछे एक लंबा और तनावपूर्ण इतिहास रहा है. पिछले दो सालों से दोनों के बीच भारी मनमुटाव था, जिसके चलते शिप्रा अपने मायके में रह रही थी. ऋषभ ने पुलिस को बताया कि 25 जनवरी 2025 को शिप्रा ने उसके कमर पर चाकू से हमला भी किया था,



गैंगरेप के बाद 16 साल की किशोरी को नहर में फेंका, पेड़ की टहनी पकड़कर बचाई जान, त्कपुलिस ने पैर में गोली मारकर आरोपी को दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

बुलंदशहर के खुर्जा में रात के अंधेरे में नहर से आई एक आवाज ने सनसनी फैला दी. ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो 16 साल की किशोरी नहर में पेड़ की टहनी पकड़े मिली. आरोप है कि दो युवक उसे बाइक से नहर किनारे ले गए थे.वहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया. विरोध करने पर उसे नहर में फेंक दिया गया. किशोरी ने टहनी पकड़कर किसी तरह अपनी जान बचाई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे बाहर निकाला. मामले में एक आरोपी पहले गिरफ्तार हो चुका था. वहीं, दूसरे आरोपी शफीक को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया. पुलिस के मुताबिक,



जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी.

मामला खुर्जा देहात थाना क्षेत्र के गांव नगला चीती का है. मंगलवार रात करीब

साढ़े तीन बजे ग्रामीण छोटे पशुओं के लिए चारा डालने उठा था. इसी दौरान उसे अपर गंगनहर की तरफ से आवाज सुनाई दी. छोटे आवाज की तरफ पहुंचा तो नहर में

एक किशोरी पेड़ की टहनी पकड़े मिली. उसने तुरंत ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी. कुछ ही देर में कई लोग मौके पर पहुंच गए. पुलिस को भी सूचना दी गई. इसके बाद पुलिस और ग्रामीणों ने किशोरी को नहर से बाहर निकाला.पुलिस के मुताबिक, किशोरी की उम्र करीब 16 साल है. वह मूलरूप से बीबीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है. किशोरी के पिता की कई साल पहले मौत हो चुकी है. पिता की मौत के बाद उसकी मां ने दूसरी शादी कर ली और राजस्थान चली गई. किशोरी अपनी दादी के साथ रहती थी. करीब दो साल पहले दादी की भी मौत हो गई. इसके बाद वह करीब एक साल पहले

श्रीरामलीला महोत्सव में दूसरे दिन मनु शतरूपा व भगवान श्रीराम जन्म लीला का हुआ मंचन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। रामलीला भवन में चल रहे श्रीरामलीला महोत्सव में दूसरे दिन मनु शतरूपा व भगवान श्रीराम जन्म लीला का मनोहारी मंचन किया गया।

रामलीला मंचन के पहले दृश्य में पौलस्त्य रावण अपने अनुजों कुंभकर्ण और विभीषण समेत ब्रह्मा की तपस्या में लीन है, उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा उन्हें वरदान देते हैं। जिसमें रावण अजेयता और विभीषण भगवद्भक्ति का वरदान प्राप्त कर लेते हैं। जबकि वाग्देवी सरस्वती ने कुंभकर्ण की मति भ्रमित कर उसके मुख से इंद्रासन की बजाय निद्रासन कहलवा दिया। फलस्वरूप मांगे गए वरदान देकर ब्रह्मा अंतर्धान हो जाते हैं। फिर बढता है रावण का पापाचार, अधर्म के चारों ओर पैर पसारने से त्रस्त पृथ्वी गोवेश में बैकुंठ जाकर भगवान विष्णु से



प्रार्थना करती है कि उसे रावण के पापाचार से मुक्त करें। इसके बाद भगवान विष्णु ने अयोध्या में राजा दशरथ के यहां राम अवतार के रूप में जन्म लिया। इसके साथ ही उनके लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का भी जन्म हुआ। मंचन में रामजी के रूप में मनोज तिवारी, लक्ष्मण वरदान देकर ब्रह्मा अंतर्धान हो जाते हैं। फिर बढता है रावण का पापाचार, अधर्म के चारों ओर पैर पसारने से त्रस्त पृथ्वी रमेश दुबे, कौशल्या भगवान दास, कैकेई रिंकू पायल, वशिष्ठ सुरेंद्र पाराशर ने

मनोहारी मंचन किया। नृत्यकार तितली रानी व रिंकू पायल ने नृत्य के माध्यम से तो पंचम दीवाना ने व्यंग्य के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया। लीला का निर्देशन प्रयाग गुरु ने किया। व्यवस्थाओं में पवन चतुर्वेदी, राजासिंह सेंगर व राजकुमार मिश्रौना ने सहयोग किया।

—जालौन-उरई। श्रीरामलीला में जनक बाजार व पुष्प वाटिका की लीला का मंचन सायं सात बजे से रामलीला भवन पर।

सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण, डीएम से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। मोहल्ला हिरेदेशाह में मोहल्ले के कुछ लोगों ने सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण कर लिया है। जिससे आवागमन में दिक्कत हो रही है। सभासद ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर समस्या का समाधान कराने की मांग की है। नगर के वार्ड नंबर 19 मोहल्ला हिरेदेशाह से सभासद इकरार राईन ने डीएम समीर को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि उनके मोहल्ले में सार्वजनिक रास्ते पर कुछ लोगों ने जबरन अवैध रूप से अतिक्रमण कर लिया है। जिससे रास्ता संकरा हो गया है। ऐसे में आवागमन करने में लोगों को दिक्कत होती है।

जिस जेल की थीं जेलर, अब वहीं बनीं कैदी. 2 महीने से फरार दिव्या चौधरी कोटा से गिरफ्तार, क्या था जुर्म?

(यंग भारत न्यूज)

अजमेर सेंट्रल जेल में नियम विरुद्ध सजायाफता महिला कैदियों से करवाए थे घरेलू काम. इसी मामले में आरोपी तत्कालीन प्रभारी महिला जेलर दिव्या चौधरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.दो महीने से फरार चल रही निर्लंबित जेलर को अजमेर की सिविल लाइंस थाना पुलिस ने कोटा स्थित एक आवासीय फ्लैट से दबोचा. रोचक बात ये है कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दिव्या चौधरी को अदालत में पेश किया, जहां से कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया. इसके साथ ही दिव्या चौधरी उसी अजमेर सेंट्रल जेल में बंदी बनकर पहुंच गईं, जहां वो कभी जेलर के पद पर तैनात थीं. मामला 12 जुलाई 2026 का है. जब अजमेर महिला जेल की तत्कालीन प्रभारी जेलर दिव्या चौधरी ने महिला प्रहरी सोनिया चौधरी के साथ मिलकर दो महिला बंदियों से घरेलू काम करवाया. दिव्या ने महिला बंदियों किरण और सना को बिना किसी कानूनी अनुमति और जेल रिकॉर्ड में एंट्री किए निजी गाड़ी से बाहर निकाला. जब मेन गेट पर तैनात महिला कर्मचारियों ने कैदियों को बिना कागजात बाहर ले जाने का विरोध किया, तो जेलर दिव्या और सोनिया ने उन्हें डराया-धमकाया. जेलर दोनों कैदियों को अजमेर स्थित एआरजी सीटी के अपने निजी फ्लैट पर ले गईं और वहां उनसे साफ-सफाई व घरेलू काम करवाया. मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया और दोनों कैदियों को वापस जेल दाखिल कराया गया. घटना की विभागीय जांच के बाद उच्चाधिकारियों ने जेलर दिव्या चौधरी और महिला प्रहरी सोनिया चौधरी को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया था. निर्लंबन के दौरान दिव्या का मुख्यालय बीकानेर और सोनिया का मुख्यालय जोधपुर तय किया गया था. हालांकि, दोनों ही अपने मुख्यालय पर रिपोर्ट करने के बजाय गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार हो गईं. इसके बाद 5 अगस्त 2026 को केंद्रीय कारागृह अजमेर के अधीक्षक की रिपोर्ट पर सिविल लाइंस थाने में मुकदमा (प्रकरण संख्या 209) दर्ज किया गया था. अजमेर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाल के निर्देशन, एएसपी हिमांशु जांगिड़ और डीएसपी (सीओ नॉर्थ) शिवम जोशी के सुपरविजन में पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया. साइबर सेल ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल डेटा और छट्छट्ट फुटेज के आधार पर दिव्या चौधरी की लोकेशन ट्रैस की. पुलिस टीम को जानकारी मिली कि आरोपी जेलर कोटा के एक आवासीय प्लैट में छिपी हुई है. इसके बाद अजमेर पुलिस ने तुरंत दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया. मामले की जानकारी देते हुए सीओ नॉर्थ (अजमेर) शिवम जोशी ने बताया- अजमेर महिला जेल की तत्कालीन जेलर दिव्या चौधरी और महिला प्रहरी सोनिया ने कर्मचारियों के विरोध के बावजूद अवैध तरीके से दो निरुद्ध बंदियों को जेल से बाहर निकाला था. इस संबंध में ऋह्मकी संबंधित धाराओं और केंद्रीय कारागृह अधिनियम की धारा 42 के तहत केस दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा था. तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कल कोटा से निर्लंबित जेलर दिव्या चौधरी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है. मामले में सह-आरोपी महिला प्रहरी सोनिया की तलाश जारी है.

बस गैंगरेप मामला : चालक-परिचालक के खिलाफ आरोप तय

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली। तीस हजारी स्थित फास्ट ट्रेक कोर्ट ने चलती बस में नाबालिग से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में बस चालक और परिचालक के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। विशेष पाँक्सो न्यायाधीश सोनम गुप्ता की कोर्ट ने पर्याप्त सामग्री मिलने के बाद आरोपी कुलदीप और संदीप के खिलाफ दुष्कर्म, नाबालिग के अपहरण और पाँक्सो अधिनियम समेत कई धाराओं में आरोप तय किए। अदालत ने मामले में ट्रायल शुरू करने और अभियोजन साक्ष्य के लिए 24 अक्टूबर का दिन तय किया है। मामले की सुनवाई बंद कमरे में हो रही है। यह मामला अगस्त में एक नाबालिग के साथ चलती बस में कथित सामूहिक दुष्कर्म से जुड़ा है। दिल्ली पुलिस ने 18 सितंबर को मामले में आरोपपत्र दाखिल किया था। अदालत ने 24 सितंबर को आरोपपत्र पर संज्ञान लिया था। करीब 350 पन्नों के आरोपपत्र में अभियोजन पक्ष से 50 गवाहों के बयान और फॉरेंसिक रिपोर्ट को शामिल किया गया है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता ग्रेटर नोएडा से बस में सवार हुई थी। आरोप है कि दिल्ली की ओर आ रही बस में चालक और परिचालक ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस के अनुसार, बस करीब 47 किलोमीटर का सफर तय करते हुए ग्रेटर नोएडा से कश्मीरी गेट आई। इसके बाद नाबालिग को आईएसबीटी कश्मीरी गेट के पास बस से उतार दिया गया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। पुलिस जांच के दौरान बस को तिमारपुर स्थित एक पार्किंग स्थल से बरामद किया गया। इसके बाद चालक और परिचालक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के डीएनए नमूने पीड़िता के कपड़ों और बस से बरामद नमूनों से मेल खाते हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, वैज्ञानिक साक्ष्यों से यह स्थापित हुआ है कि दोनों आरोपियों ने चलती बस में नाबालिग का यौन उत्पीड़न किया था। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता की मेडिकल जांच रिपोर्ट और डीएनए नमूनों की फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट से भी उसके साथ यौन अपराध की पुष्टि हुई। जांच के दौरान बाल और वीर्य के नमूने समेत अन्य साक्ष्य एकत्र किए गए थे। इन्हें फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेजा गया, जहां जांच में पुलिस के दावों की पुष्टि हुई। एफएसएल की रिपोर्ट को आरोपपत्र का हिस्सा बनाया गया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. सही व्यवहार नहीं होने पर वह बुलंदशहर लौट आई. यहां वह तारा नाम की महिला के साथ रहने वाली.किशोरी ने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात तारा का पति नहर से बाहर निकाला.पुलिस के मुताबिक, किशोरी की उम्र करीब 16 साल है. वह मूलरूप से बीबीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है. किशोरी के पिता की कई साल पहले मौत हो चुकी है. पिता की मौत के बाद उसकी मां ने दूसरी शादी कर ली और राजस्थान चली गई. किशोरी अपनी दादी के साथ रहती थी. करीब दो साल पहले दादी की भी मौत हो गई. इसके बाद वह करीब एक साल पहले

बरामद किए जाने की बात कही गई है.पुलिस के मुताबिक, 6 अक्टूबर को दोनों आरोपियों ने पूर्व परिचित युवती के साथ दुष्कर्म की घटना का अंजाम दिया था. घटनास्थल पर शफीक को मोबाइल छूट गया था. बताया गया कि शफीक देर रात अपना मोबाइल लेने घटनास्थल पर पहुंचा. इसी दौरान पुलिस से उसका सामना हो गया और मुठभेड़ हुई.एसपी देहात अंतरिक्ष जैन ने बताया कि पुलिस को किशोरी से दो लोगों द्वारा दुष्कर्म की सूचना मिली थी. मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है.

निजी वाहन में ठूसकर स्कूल भेजे जा रहे बच्चे, वायरल वीडियो ने खोली परिवहन व्यवस्था की पोल

■ **टैक्सी परमित वाले वाहन की जगह प्राइवेट गाड़ी के इस्तेमाल का आरोप, क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने का वीडियो वायरल**

■ **कदौरा के बागी सेठ मनोहरी लाल स्कूल का बताया जा रहा वीडियो, छात्रों की सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल**

■ **काशीखेड़ा से हमीरपुर रोड तक ओवरलोड ट्रकों की भी भरमार, परिवहन विभाग की कार्रवाई पर सवाल**

■ **ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार सामने आ रहे मामले, सचल दल की निगरानी और कार्रवाई पर उठ रही उंगली**



(यंग भारत न्यूज)

कदौरा, जालौन। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग की निगरानी और कार्रवाई के दावों के बीच कदौरा क्षेत्र से सामने आया एक वायरल वीडियो व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। वीडियो में एक निजी वाहन में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर विद्यालय ले जाते हुए दिखाए जाने का दावा किया जा रहा है। वायरल वीडियो कदौरा स्थित बागी सेठ मनोहरी लाल स्कूल का बताया जा रहा है। हालांकि वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि दृश्य सही पाए जाते हैं तो यह सीधे तौर पर स्कूली बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। बताया जा रहा है कि जिस वाहन में बच्चों को ले जाया जा

रहा था, उसमें निर्धारित क्षमता से अधिक छात्र बैठे नजर आ रहे हैं। आरोप यह भी है कि विद्यालय आने-जाने के लिए आवश्यक टैक्सी परमित वाले वाहन के बजाय निजी वाहन का इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि बच्चों को विद्यालय तक पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे वाहनों की फिटनेस, परमित, बीमा, क्षमता और सुरक्षा मानकों की जांच आखिर कितनी गंभीरता से की जा रही है। ग्रामीण अंचलों में स्कूली परिवहन व्यवस्था को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। कई स्थानों पर छोटे निजी वाहनों में बच्चों को क्षमता से अधिक बैठाकर विद्यालय पहुंचाने की शिकायतें सामने आती हैं। इसके बावजूद यदि बिना मानक और अनुमति के वाहन बच्चों को ढो रहे हैं तो परिवहन विभाग की नियमित जांच व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दूसरी ओर काशीखेड़ा से लेकर कदौरा-हमीरपुर रोड तक ओवरलोड ट्रकों के आवागमन को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मार्ग पर क्षमता से अधिक माल लादकर ट्रक लगातार दौड़ रहे हैं। इससे सड़क की हालत बिगड़ने के साथ ही दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि परिवहन विभाग का सचल दल इन वाहनों पर कितनी प्रभावी कार्रवाई कर रहा है। स्थानीय लोगों

की मांग है कि स्कूली वाहनों के साथ-साथ ओवरलोड वाहनों की भी नियमित और निष्पक्ष जांच कराई जाए। खासकर विद्यालयों के आसपास अभियान चलाकर यह देखा जाए कि बच्चों को किस प्रकार के वाहनों से लाया-ले जाया जा रहा है और क्या वाहन निर्धारित सुरक्षा मानकों पर खरे उतरते हैं।

‘एंट्री’ के आरोपों की भी हो जांच

परिवहन विभाग की कार्रवाई को लेकर उठ रहे सवालों के बीच कुछ लोगों द्वारा ‘एंट्री’ के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि विभाग स्वयं स्पष्ट करे कि ओवरलोड ट्रकों की जांच और स्कूली वाहनों की कार्रवाई का रिकॉर्ड क्या है। यदि कहीं नियमों की अनदेखी या किसी प्रकार की मिलीभगत सामने आती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। अब देखा यह है कि वायरल वीडियो और ओवरलोड वाहनों की शिकायतों के बाद एआरटीओ जालौन का सचल दल मौके पर जांच कर जिम्मेदार वाहन चालक और विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करता है या मामला महज जांच और खानापूर्ति तक सीमित रह जाता है। सबसे बड़ा सवाल बच्चों की सुरक्षा का है, क्योंकि नियमों की अनदेखी की कमीत किसी हादसे की स्थिति में मासूम छात्रों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ सकती है।

त्योहारों से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग का शिकंजा, दूध-पनीर-खोया समेत आठ नमूने भरे

■ **नवरात्रि, दशहरा और दीपावली को लेकर उरई, कालपी और कोंच में छापेमारी**

■ **दूध, पनीर, खोया और बूंदी के लड्डू के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे**

■ **रेस्टोरेंट में मिली कमियों पर सुधार नोटिस, एक प्रतिष्ठान को धारा-55 का नोटिस**

■ **खाद्य सचल प्रयोगशाला से 32 लोगों को मिलावट और खाद्य सुरक्षा के प्रति किया जागरूक**



(यंग भारत न्यूज)

उरई। नवरात्रि, दशहरा और दीपावली के त्योहारों को देखते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी समीर के निर्देश पर सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वितीय डॉ. सीआर प्रजापति ने छापेमारी के लिए टीमों का गठन किया। टीमों ने उरई, कालपी और कोंच क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दूध, पनीर, खोया और बूंदी के लड्डू समेत खाद्य पदार्थों के कुल आठ नमूने संग्रहित किए। उरई नगर में करमर रोड

स्थित हाथी मंदिर के पास दुग्ध विक्रेता दशराम से दूध का नमूना लिया गया। कुड़या कालपी रोड स्थित जयसवाल टॉवर के सामने अवधेश दुग्ध विक्रेता से भी दूध का नमूना लिया गया। माहिल तालाब के पास स्थित विशम्भर स्वीट्स से बूंदी के लड्डू का नमूना संग्रहित किया गया। टीएम ने स्टेशन रोड स्थित ब्लैक चिली रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों के आधार पर प्रतिष्ठान संचालक को सुधार नोटिस जारी किया गया। कालपी तहसील के कदौरा स्थित गुप्ता स्वीट्स से पनीर का नमूना लिया गया, जबकि हरिबाबु पुत्र महेंद्र पाल से दूध का नमूना संग्रहित किया गया। आर स्ववायर कैफे का निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा अधिकारी की ओर से धारा-55 का नोटिस जारी किया गया। कोंच तहसील के ग्राम कुरचैली स्थित अखिलेश शर्मा की खोया भट्टी से खोया का नमूना लिया गया। नमूने संग्रहित किए। उरई नगर में करमर रोड

पनीर का नमूना संग्रहित किया गया। सभी आठ नमूनों को जांच के लिए संबंधित प्रयोगशाला भेज दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। अभियान में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेश प्रसाद, कन्हैया लाल यादव, सुनील कुमार, इनकार सिंह और अनिल कुमार कटियार शामिल रहे। डॉ. प्रजापति ने बताया कि जिलेवासियों को शुद्ध एवं सुरक्षित दूध, दुग्ध उत्पाद और अन्य खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। खाद्य कारोबारियों को मिलावट न करने की सख्त हिदायत दी जा रही है। इसी क्रम में 8 अक्टूबर को खाद्य सचल प्रयोगशाला के माध्यम से उरई के कोंच बस स्टैंड पर करीब 32 लोगों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। विभाग ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान मिलावट के खिलाफ निगरानी और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मेडिकल कॉलेज में एनडीआरएफ ने सिखाए आपदा से निपटने के गुर



उरई। राजकीय मेडिकल कॉलेज, उरई में 8वीं वाहिनी एनडीआरएफ की 8(ए) टीम की ओर से (परिचयात्मक एवं जागरूकता कार्यक्रम) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग छात्र-छात्राओं, फैकल्टी स्टाफ, सुरक्षा गार्ड, नर्सिंग जनरल स्टाफ, वार्ड बॉय, आउटसोर्स कर्मचारियों और सफाई कर्मियों को आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्य के साथ प्राथमिक उपचार की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. प्रेम सिंह, सीएमएस और डॉ. प्रशांत निरंजन, चिकित्सा अधीक्षक की मौजूदगी रही। एनडीआरएफ टीम ने आपदा से पहले की तैयारियों और सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी देते हुए भूकंप के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों तथा सुरक्षित निकासी का अभ्यास कराया। प्रशिक्षण के दौरान अग्नि सुरक्षा और प्रारंभिक स्तर पर आग बुझाने की तकनीक का प्रदर्शन किया गया। सर्पदंश की स्थिति में बचाव और प्राथमिक उपचार, बाढ़ के दौरान सुरक्षा तथा स्थानीय संसाधनों से तैयार किए जा सकने वाले तैरने वाले उपकरणों के इस्तेमाल की जानकारी भी दी गई। एनडीआरएफ टीम ने सीपीआर, बीएलएस और एफबीएओ जैसी जीवनरक्षक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इसके साथ ही रक्तस्राव को नियंत्रित करने की तकनीक, घायल व्यक्ति को सुरक्षित तरीके से स्थानांतरित करने और स्थानीय संसाधनों से स्ट्रेचर तैयार करने का तरीका समझाया गया। सड़क दुर्घटना के दौरान तत्काल आपातकालीन प्रतिक्रिया, आकाशीय बिजली और गरज-चमक से बचाव तथा डूबने की घटनाओं में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों का भी प्रदर्शन किया गया। स्नर्स्वर्च कार्यक्रम में कुल 415 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इनमें 100 नर्सिंग छात्र-छात्राएं, 25 फैकल्टी स्टाफ, 30 सुरक्षा गार्ड, 100 नर्सिंग जनरल स्टाफ, 75 वार्ड बॉय, 50 आउटसोर्स स्टाफ और 35 सफाई कर्मचारी शामिल रहे। एनडीआरएफ टीम ने बताया कि आपदा के समय घबराने के बजाय प्रशिक्षित और समन्वित तरीके से राहत एवं बचाव कार्य करना बेहद जरूरी है। प्रशिक्षण का उद्देश्य मेडिकल कॉलेज के कार्मिकों और विद्यार्थियों में आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने की क्षमता विकसित करना रहा, ताकि जरूरत पड़ने पर वे तत्काल प्राथमिक उपचार और बचाव कार्य में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

■ **415 प्रतिभागियों को भूकंप, बाढ़, आग और सर्पदंश से बचाव का प्रशिक्षण**

■ **सीपीआर, बीएलएस, एफबीएओ और रक्तस्राव रोकने की तकनीक का कराया व्यावहारिक अभ्यास**

■ **स्थानीय संसाधनों से स्ट्रेचर और तैरने वाले उपकरण तैयार करना भी सिखाया**

■ **मंदिर का रास्ता खोले जाने की मांग को लेकर महिलाओं ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन**

जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, रास्ता खुलवाये जाने की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई। राजकीय इण्टर कॉलेज प्रशासन द्वारा विगत 50 वर्ष पूर्व रास्ते पर दीवाल खड़ी कर मंदिर के रास्ते को बंद दिये जाने के मामले को लेकर दर्जनों महिलाओं व पुरुषों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन भेंट कर रास्ता खुलवाये जाने की मांग उठाई है। कांग्रेस नेत्री शशि चौहान के नेतृत्व में सुमित श्रीवास्तव, किरन सिंह, नेहा चौहान, सुमन देवी, मीरा चाची, साधना, प्रतीक्षा, शशि प्रभा, सविता श्रीवास, अंजू सेंगर, पुनम, राधा, वर्षा भदौरिया सहित दर्जनों महिलाओं व पुरुषों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन भेंट करते हुए मंदिर को जाने वाले बंद रास्ते को खुलवाये जाने की मांग उठाई

महिला संरक्षण का दावा हवा हवाई

■ **कार की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पीटा, तीन तलाक का आरोप; तीन दिन बाद भी नहीं दर्ज हुई रिपोर्ट**

■ **चुर्खी के बाबई गांव की रूबी ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार**

■ **पति पर मारपीट कर तीन तलाक बोलने और बेटे को जबरन ले जाने का आरोप**

■ **थाने में तहरीर देने के बाद कार्रवाई न होने का पीड़िता ने लगाया आरोप**



और समुगल पक्ष पर मारपीट व मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए चुर्खी थाने में तहरीर दी, लेकिन तीन दिन बाद भी रिपोर्ट दर्ज न होने की बात कही। बुधवार को पीड़िता पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची और मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गुहार लगाई।

बाबई निवासी रूबी पुत्री नियामत उल्ला ने एसपी को आठ अक्टूबर को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 15 जून 2019 को मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के पोरसा निवासी जाकिर खान पुत्र शाकिर से हुई थी। पीड़िता के अनुसार शादी में भायके पक्ष ने एक लाख रुपये नकद, सोने की अंगूठी, जंजीर, बाइक और गृहस्थी का सामान दिया था। आरोप

है कि शादी के बाद समुगल पक्ष के लोग कार और दो लाख रुपये की अतिरिक्त मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और मानसिक प्रताड़ना की गई। रूबी का आरोप है कि 22 जून 2026 को पति ने उसके साथ मारपीट की और दोनों बच्चों समेत उसे घर से निकाल दिया।

इसके बाद से वह अपने पिता के साथ बाबई में रह रही है। पीड़िता ने शिकायत में आरोप लगाया कि चार अक्टूबर को उसका पति जाकिर बाबई आया और उसके साथ मारपीट करने लगा। इसी दौरान उसने तीन बार 'तलाक' कहा और उसके करीब साढ़े चार वर्षीय बेटे हमजा को जबरन अपने साथ ले गया। घटना के बाद रूबी चुर्खी थाने पहुंची और कार्रवाई के लिए तहरीर दी। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस स्तर से कार्रवाई न होने पर वह पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची। एसपी ने उसकी बात सुनकर मामले में न्याय दिलाने का भरोसा दिया। फिलहाल मामले में पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

डीएपी को लेकर किसानों को डीएम समीर का भरोसा, बोले-घबराएं नहीं, जरूरत के हिसाब से ही खरीदें खाद



उरई रबी फसलों की बुवाई का समय नजदीक आते ही डीएपी खाद की उपलब्धता को लेकर जिला प्रशासन ने निगरानी और आपूर्ति व्यवस्था तेज कर दी है। किसानों को खाद के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए जिलाधिकारी समीर ने शुक्रवार को तहसील कोंच क्षेत्र की सहकारी समितियों का निरीक्षण किया। उन्होंने सहकारी समिति क्रय-विक्रय केंद्र, सहकारी समिति झुझारपुरा और सहकारी समिति अंडा पहुंचकर डीएपी के स्टॉक और वितरण व्यवस्था की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान तीनों समितियों पर पर्याप्त मात्रा में डीएपी उपलब्ध मिली।

जिलाधिकारी ने समितियों पर खाद लेने पहुंचे किसानों से सीधे संवाद किया और उपलब्धता, वितरण तथा किसी तरह की परेशानी के बारे में जानकारी ली। किसानों को भरोसा दिलाते हुए उन्होंने कहा कि जनपद में डीएपी खाद की कमी नहीं है। किसानों को उनकी जोत और फसल की आवश्यकता के अनुसार नियमानुसार खाद उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने किसानों से अपील की कि किसी भी तरह की अफवाह पर भरोसा न करें और आवश्यकता से अधिक डीएपी खरीदकर भंडारण न करें। डीएम समीर ने कहा कि मटर और गेहूं की बुवाई का सीजन शुरू होने वाला है। ऐसे में डीएपी की मांग बढ़ना स्वाभाविक है। इसी को देखते हुए जिले की प्रत्येक साधन सहकारी समिति पर खाद के स्टॉक की लगातार समीक्षा की जा रही है। रैक्स के माध्यम से आने वाली नई आपूर्ति पर भी प्रशासन की नजर है, ताकि जिस क्षेत्र में आवश्यकता बढ़े वहां समय से खाद पहुंचाई जा सके। उन्होंने किसानों से कहा कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। निर्धारित व्यवस्था के तहत सभी किसानों को क्रम से खाद उपलब्ध कराई जाएगी। जिन खेतों में अभी पानी भरा है, वहां पानी निकलने के बाद बुवाई शुरू होगी। ऐसे किसानों से भी धैर्य बनाए रखने की अपील की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि जरूरत के अनुसार ही डीएपी लेने से सभी किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। डीएम ने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री, खतौनी और आधार सत्यापन से संबंधित प्रक्रिया पूरी रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसानों को अनावश्यक रूप से लंबा इंतजार न करना पड़े और वितरण में पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी समिति पर डीएपी का स्टॉक निर्धारित स्तर से नीचे पहुंचने लगे तो तत्काल मांग भेजी जाए, जिससे समय रहते वहां नई खेप उपलब्ध कराई जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि रबी सीजन में किसानों को समय से खाद उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्रथमिकता है। समितियों के स्टॉक और नई आपूर्ति की लगातार समीक्षा की जा रही है, ताकि खाद की उपलब्धता बनी रहे और किसान बिना किसी अनावश्यक परेशानी के रबी फसलों की बुवाई पूरी कर सकें।

(यंग भारत न्यूज)

■ **डीएम समीर ने कोंच की तीन सहकारी समितियों में परखी डीएपी की उपलब्धता**

■ **जिलाधिकारी बोले-जनपद में खाद की कमी नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें किसान**

■ **डीएम ने समितियों के सचिवों को स्टॉक घटते ही तत्काल मांग भेजने के लिए निर्देश**

■ **जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री, खतौनी और आधार सत्यापन पूरा रखने की दी सलाह**

सेवा संकल्प सप्ताह में मेडिकल कॉलेज उरई ने बढ़ाया मदद का हाथ, रक्तदान शिविर आयोजित



उरई। सेवा संकल्प सप्ताह के तहत राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई, जालौन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेडिकल कॉलेज प्रशासन के सहयोग से कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा आयोजित शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। शिविर का आयोजन कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में किया गया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने सेवा संकल्प सप्ताह के अंतर्गत आयोजित इस पहल को सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। एक स्वस्थ व्यक्ति का रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने बताया कि रक्त की आवश्यकता अक्सर दुर्घटना में घायल मरीजों, प्रसव के दौरान महिलाओं तथा विभिन्न गंभीर बीमारियों से जुड़े मरीजों को पड़ती है। ऐसे में रक्तदान शिविरों के माध्यम से ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त उपलब्ध रखने में मदद मिलती है। शिविर में मेडिकल कॉलेज से जुड़े चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं अन्य लोगों ने रक्तदान के प्रति उत्साह दिखाया। स्वास्थ्यकर्मियों ने रक्तदान करने वाले लोगों की आवश्यक स्वास्थ्य जांच के बाद रक्त संग्रह की प्रक्रिया पूरी की। प्राचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने कहा कि सेवा संकल्प सप्ताह का उद्देश्य चिकित्सा सेवाओं के साथ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना भी है। उन्होंने लोगों से स्वस्थ होने की स्थिति में नियमित रूप से रक्तदान करने और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र सिंह ने कहा कि रक्तदान को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है, क्योंकि समय पर उपलब्ध रक्त कई बार मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी चिकित्सकों, कर्मचारियों और रक्तदाताओं का आभार जताया।

■ **कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के नेतृत्व में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर**

■ **प्राचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने सेवा भावना से रक्तदान का किया आह्वान**

■ **रक्तदान को जरूरतमंद मरीजों के लिए बताया जीवन बचाने वाला सहयोग**

स्कूली वाहन चालकों के स्वास्थ्य और नेत्रों की हुई जांच

क्रासर- तीन चालकों में ब्लड प्रेशर की समस्या मिलने पर चिकित्सकीय परामर्श की दी गई सलाह

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन) । जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में आज 08 अक्टूबर 2026 को बुन्देलखण्ड विधि महाविद्यालय, कोंच रोड, उरई में परिवहन विभाग व बुन्देलखण्ड विधि महाविद्यालय के प्रबन्धन, स्वास्थ्य विभाग एवं यातायात पुलिस के सहयोग से सड़क सुरक्षा जागरुकता के दृष्टिगत स्कूली वाहन चालकों/परिचालकों के नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण हेतु शिविर/कार्यक्रम आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम के सहयोग से स्कूल वाहन चालकों/परिचालकों के स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्रदान करते जाँच हेतु निशुल्क शिविर लगाया गया। उक्त शिविर में बुन्देलखण्ड विधि महाविद्यालय के साथ-साथ अन्य 02 विद्यालयों गुड गेट कॉन्वेंट स्कूल, मैकेनिक नगर उरई व सेक्रेट हार्ट सेनेटरी एकेडमी कोंच रोड उरई, एस0एस0 इन्टरनेशनल स्कूल कोंच रोड उरई के स्कूली वाहन चालकों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। उपस्थित स्कूल वाहन चालकों/परिचालकों के स्वास्थ्य, नेत्र एवं मधुमेह (सुगर) की जाँच नेत्र एवं पैथलाजी चिकित्सकों की टीम द्वारा की गयी, जिसमें 03 वाहन चालकों में ब्लड प्रेशर की समस्या मिली उनको तत्काल चिकित्सीय चिकित्सीय परामर्श की सलाह दी गयी। साथ ही समस्त



चिकित्सक टीम द्वारा छात्र-छात्राओं व स्कूल वाहन चालकों/परिचालकों को स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्रदान करते हुए स्कूल वाहन चालकों/परिचालकों को नियमित रूप से अपनी जाँच कराने की सलाह दी गयी। उक्त कार्यक्रम का संचालन बुन्देलखण्ड विधि महाविद्यालय की बी0ए0 एल0एल0बी0 की छात्रा स्वेच्छा और शहबाज खान द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान बीर बहादुर सिंह-यातायात प्रभारी द्वारा सड़क सुरक्षा की गयी कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने व चार पहिया वाहन चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट का प्रयोग करने की सलाह दी गयी। सड़क दुर्घटनाएँ गंभीर चिंता का विषय हैं और इन दुर्घटनाओं में सर्वाधिक मौतें दुपहिया वाहन चालकों की होती हैं

जिसकी मुख्य वजह हेलमेट न लगाना है। अतः हम सभी को वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। अब्दुल अलीम खान (गुड सेमेरिटन पुरस्कार से पुरस्कृत समाजसेवी) द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली परेशानियों के विषय में अपनी आप बीती साझा की गयी। उनके द्वारा बताया किया जब पर के मुखिया या सिंह-यातायात प्रभारी द्वारा सड़क सुरक्षा की गयी कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने व चार पहिया वाहन चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट का प्रयोग करने की सलाह दी गयी। सड़क दुर्घटनाएँ गंभीर चिंता का विषय हैं और इन दुर्घटनाओं में सर्वाधिक मौतें दुपहिया वाहन चालकों की होती हैं

छात्र-छात्राओं व स्कूल वाहन चालकों को सुरक्षित परिवहन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक किया गया तथा सभी से अपील की गयी कि वाहन चलाते समय हेलमेट/सीटबेल्ट का प्रयोग करें, नशे की हालत में वाहन न चलायें व वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, ओवर स्पीड में वाहन न चलायें, दुर्घटना में घायलों की सहायता करें, क्षमता से अधिक माल व सवारियाँ न ढोयें। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि स्वस्थ शरीर एवं सड़क सुरक्षा के नियमों की जागरूकता से ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। यह भी जानकारी दी गयी कि वाहनों को अपनी लाइन पर संचालित करने तथा वाहन को रोकते समय साइड इण्डिकेटर का प्रयोग कर सुरक्षित स्थान पर यात्रियों को उतारने, अनधिकृत तरीके से वाहन को ढाबों पर खड़ी न करने एवं यात्रियों को असुविधा न हो ध्यान में रखकर यात्रा करायें। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि स्वस्थ शरीर एवं सड़क सुरक्षा के नियमों की जागरूकता से ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। साथ गुड सेमेरिटन एवं हिट एण्ड रन योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा यह भी अवगत कराया गया कि जो भी व्यक्ति दुर्घटना में घायल हुए

व्यक्ति को अस्पताल पहुँचायेगा उसको सरकार द्वारा राहवीर योजना के तहत पुरस्कृत किया जाएगा। इसलिये बिना किसी आशंका के सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद करने की अपील की गयी व अन्त में सड़क सुरक्षा सम्बन्धी शपथ दिलाई गयी। उक्त शिविर में राजेश कुमार सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), बीर बहादुर सिंह यातायात प्रभारी, डॉ0 विनय प्रकाश अग्रवाल-परामर्शदाता, स्मिता वर्मा-स्टाफ नर्स, संजय कुमार-नेत्र परीक्षण अधिकारी, विनय कुमार-लैब टैक्निशियन अधिकारी, बलवीर यादव-वार्ड व्याय, कुलदीप सिंह एम्बुलेंस वाहन चालक, बुन्देलखण्ड विधि महाविद्यालय, कोंच रोड उरई के प्रबन्धक-शरद कुमार शर्मा, प्राचार्य-डा. महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक आचार्य डा0 डी0के0 वर्मा, राकेश सक्सेना, शिवम श्रीवास्तव, सुदेश यादव, अलाउद्दीन शाह, सुमन, विशाखा गुप्ता, जानवी यादव, अश्वनी, कैलाश तिवारी, देवेन्द्र सक्सेना और महाविद्यालय की छात्र-छात्राएँ, गुड गेट कॉन्वेंट स्कूल, एस0एस0 इन्टरनेशनल स्कूल, कोंच रोड उरई के प्रतिनिधि, सेक्रेट हार्ट सेनेटरी एकेडमी, कोंच रोड उरई, अब्दुल अलीम खान (गुडसेमेरिटन पुरस्कार से सम्मानित समाजसेवी), मिथलेश कुमार नायक समाजसेवी आदि उपस्थित रहे।

नवरात्रि से पहले कालपी में प्रशासन अलर्ट, स्फूर्तिवनय मौर्य ने मंदिरों में परखी तैयारियां

(यंग भारत न्यूज)

■ पचपिंडा देवी और ठोडेश्वर मंदिर पहुंचकर एसडीएम ने देखी व्यवस्थाएं

■ श्रद्धालुओं के रास्तों की सफाई और पर्याप्त रोशनी के लिए निर्देश

■ पर्व से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने, विभागों में समन्वय पर जोर

कालपी। नवरात्रि एवं दुर्गापूजा पर्व को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने गुरुवार को नगर क्षेत्र के प्रमुख पचपिंडा देवी मंदिर एवं ठोडेश्वर मंदिर का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसरों के साथ श्रद्धालुओं के आवागमन वाले रास्तों की व्यवस्थाएं परखी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने मंदिर परिसर और आसपास साफ-सफाई की स्थिति देखी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नवरात्रि पर्व शुरू होने से पहले मंदिर परिसर और श्रद्धालुओं के आने-जाने वाले मार्गों की नियमित रूप से सफाई कराई जाए। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए पहुंचेंगे। ऐसे में साफ-सफाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। एसडीएम ने मंदिर परिसर एवं आसपास पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रात्रि के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं, इसलिए रास्तों और परिसर में रोशनी पर्याप्त होनी चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। मंदिर परिसर में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और आवागमन से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

एसडीएम विनय कुमार मौर्य ने कहा कि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा करने के साथ मौके पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान नगर पालिका परिषद के जेई प्रवीण सहित संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

नाला निर्माण में मानकों की अनदेखी का आरोप, गुणवत्ता पर उठे सवाल नाले का घटिया निर्माण कर हो रहा सरकारी धन का गबन



(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) । नगर पंचायत माधौगढ़ द्वारा ब्लॉक कार्यालय के पास कराया जा रहा नाला निर्माण इन दिनों सवालोंने के घेरे में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। निर्माण में गुणवत्ता को लेकर भी लोगों ने सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत की ओर से ब्लॉक के पास नाला निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण के दौरान मानकों की अनदेखी की जा रही है। लोगों का आरोप है कि नाला निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता और निर्माण कार्य की तकनीकी प्रक्रिया पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी होने से सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका है। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों की जांच करनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी और नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर नाला निर्माण की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जांच में अनियमितता सामने आती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और नाले का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जाए, ताकि सरकारी धन का सही उपयोग हो सके और लोगों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके।

सड़क हादसे में टूटे जबड़े का आयुष्मान योजना से सफल ऑपरेशन, मेडिकल कॉलेज की टीम ने दी नई राहत

- 30 वर्षीय महिला के जबड़े की हड्डी में मिला था फ्रैक्चर
- ओपीजी और सीटी फेस जांच के बाद तय की गई उपचार की प्रक्रिया
- डॉ. हरमूर्ति सिंह के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने किया सफल उपचार
- ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत में सुधार, आज होगी अस्पताल से छुटी

(यंग भारत न्यूज)

उरई। राजकीय मेडिकल कॉलेज जालौन में आयुष्मान भारत योजना के

अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल महिला के जबड़े के फ्रैक्चर का सफल उपचार किया गया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने बताया कि कानपुर देहात निवासी 30 वर्षीय महिला गुलशा सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद जबड़े में दर्द और सूजन की शिकायत लेकर दंत चिकित्सा विभाग पहुंची। चिकित्सकों ने जांच के बाद जबड़े की हड्डी में फ्रैक्चर की पुष्टि की।

दंत चिकित्सा विभाग को टीम ने मरीज का क्लिनिकल परीक्षण करने के साथ रेडियोलॉजिकल जांच कराई। इसमें ओपीजी और सीटी फेस जांच में जबड़े की हड्डी के सिम्फाइसिस ऑफ मैडिबल हिस्से में फ्रैक्चर पाया गया। इसके बाद मरीज को आयुष्मान भारत योजना के तहत मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया। चिकित्सकों ने मरीज का क्लोज्ड रिड्रैक्शन विधि से सफल शल्य उपचार किया। ऑपरेशन ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन एवं दंत चिकित्सा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हरमूर्ति सिंह के नेतृत्व में किया गया। सर्जिकल टीम में डॉ. अखिल त्रिवेदी

और डॉ. हिमी राठौर शामिल रहे। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति में लगातार सुधार बताया गया है। चिकित्सकों की निगरानी में उपचार के बाद मरीज को अस्पताल से छुट्टी देने की तैयारी की गई मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने सफल उपचार के लिए पूरी चिकित्सकीय टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य पात्र परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक अभाव के कारण किसी व्यक्ति को उपचार से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सकीय सेवाओं को लगातार बेहतर किया जा रहा है। उन्होंने चिकित्सकों और पूरी टीम की सरहना करते हुए कहा कि ऐसे सफल उपचार से मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल रही है। उपचार करने वाली टीम में डॉ. हरमूर्ति सिंह, डॉ. अखिल त्रिवेदी और डॉ. हिमी राठौर शामिल रहे

दशहरा पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाली पारंपरिक रामलीला का हुआ शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

कोटरा -उरई । कस्बा कोटरा के ऐतिहासिक श्री बिहारी जी मंदिर परिसर में दशहरा पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाली पारंपरिक रामलीला का शुभारंभ 8 अक्टूबर से होगा। रामलीला को लेकर समिति द्वारा तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। श्री बिहारी जी मंदिर रामलीला समिति के अध्यक्ष पत्रकार संजय सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर परिसर में पिछले करीब 80 वर्षों से दशहरा पर्व पर रामलीला का आयोजन होता आ रहा है। इसी ऐतिहासिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी भव्य रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 8 अक्टूबर को नारद मोह लीला के साथ रामलीला का शुभारंभ होगा, जो विभिन्न लीलाओं के मंचन के साथ 20 अक्टूबर दशहरा पर्व पर रावण वध तक चलेगी। रामलीला में प्रदेश स्तर के कलाकारों के आने की स्वीकृति भी मिल चुकी है, जिससे इस बार आयोजन और भी आकर्षक एवं भव्य होने की उम्मीद है। रामलीला समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा आयोजन की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रामलीला को लेकर कस्बावासियों और क्षेत्र के श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी एवं नगरवासियों से रामलीला में पहुंचकर भगवान श्रीराम की लीलाओं का दर्शन करने की अपील की है।

विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम, साइबर बुलिंग एवं साइबर ग्रूमिंग बारे में जागरूक किया

(यंग भारत न्यूज)

उरई।भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत अक्टूबर माह को साइबर जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है आज दिनांक 08.10.2026 को जनपदीय साइबर सेल द्वारा दयानंद वैदिक कॉलेज उरई जनपद जालौन में साइबर सेल पुलिस कार्यालय में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम, साइबर बुलिंग एवं साइबर ग्रूमिंग साइबर जागरूकता एवं महिला सम्बन्धित अपराध के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यालय स्टाफ को ऑनलाइन लेन-देन में सावधानी बरतने, OTP/UPI PIN किसी से साझा न करने, अनजान पत्र पर क्लिक न करने तथा सोशल मीडिया पर अजनबियों से सावधानीपूर्वक व्यवहार करने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही डिजिटल अरेस्ट स्कैम, साइबर बुलिंग एवं साइबर ग्रूमिंग से बचाव तथा ऐसी घटना होने पर तत्काल पुलिस/साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं cybercrime.gov.in पर शिकायत करने की जानकारी दी गई।

पुलिया पर धंसी सड़क बनी हादसों का कारण, रोज गिर रहे ग्रामीण

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) । विकासखंड रामपुरा क्षेत्र में मई के पास एट और बीकेपुर को जोड़ने वाली सड़क पर स्थित पुलिया के पास सड़क काफी नीचे बैठ गई है। सड़क पर बने गहरे गड्ढे और खंदक के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन बाइक सवार और अन्य वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया के पास सड़क धंसने से स्थिति लगातार खतरनाक होती जा रही है। गड्ढे में बाइक का पहिया चले जाने से चालक वाहन समेत खंदक में गिर जाते हैं, जिससे कई लोग चोटिल हो चुके हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर से अब तक इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है। ग्रामीणों ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार होने के बावजूद सड़क की इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कब होगी और सड़क व पुलिया की मरम्मत कब कराई जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके का तत्काल निरीक्षण कर सड़क की मरम्मत कराई जाए तथा पुलिया के आसपास सुरक्षा व्यवस्था और संकेतक लगाए जाएं, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

स्नातक एमएलसी चुनाव 2027 का सेमीफाइनल, भाजपा प्रत्याशी के सामने कई सवाल : मानसिंह यादव

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन) । इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी मानसिंह यादव ने गुरुवार को इकलासपुरा रोड स्थित सपा जिला कार्यालय में पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं समेत विभिन्न वर्गों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। मानसिंह यादव ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहले ही पार्टी की दिशा स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के चलते शिक्षक और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं समेत कई वर्गों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्तियां की जाएंगी। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी अशोक राठौर पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके सामने पेपर लीक सहित कई सवाल खड़े हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में भाजपा प्रत्याशी मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन मतदाता वास्तविक मुद्दों पर फैसला करेंगे। सपा प्रत्याशी ने कहा कि यह चुनाव वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है। उन्होंने अपने पूर्व एमएलसी कार्यकाल का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षकों के हितों से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाते और उनके समाधान के लिए कार्य किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिक्षक और स्नातक मतदाता उनके पिछले कार्यों को ध्यान में रखते हुए अपना समर्थन देंगे। इस मौके पर प्रमुख रूप से दीपराज गुर्जर सपा जिलाध्यक्ष, जमालुद्दीन पप्पू, तिलकचंद अहिरवार, लाखन सिंह कुशवाहा, दीपू त्रिपाठी, प्रदीप दीक्षित प्रदेश सचिव, श्रीराम पाल, गुडू मेहवा, वेदप्रकाश यादव, भानू राजपूत, महेश शिरोमणि दोहरे, राजू अहिरवार, राघवेंद्र सिंह एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी माधौगढ़, महेंद्र कंठेरिया, आनंद यादव पूर्व पंचायत अध्यक्ष, पम्मी सेठ सहित आदि सपाजन मौजूद रहे।

मेगा विधिक सहायता शिविर की तैयारियों को लेकर समन्वय बैठक

1 नवंबर को राजकीय मेडिकल कॉलेज में आयोजित होगा मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर



उरई (जालौन) । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आगामी 1 नवंबर को आयोजित होने वाले मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर की तैयारियों को लेकर दीवानी न्यायालय उरई में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिला जज प्रथम एवं नोडल अधिकारी सतीश चन्द्र द्विवेदी ने की। उन्होंने अधिकारियों को शिविर के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को विधिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही उन्हें विभिन्न शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाना शिविर का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि 1 नवंबर को राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में आयोजित होने वाले मेगा शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के लाभार्थियों को चिन्हित कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। इसके साथ ही योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए सभी विभागों के अलग-अलग कैंप लगाए जाएंगे। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को उपलब्ध कराएं तथा शिविर के सफल आयोजन के लिए प्राधिकरण के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करें। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने शिविर के सफल आयोजन में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान अपर जिला जज एवं विशेष न्यायाधीश दक्ष प्रभाव क्षेत्र उरई चंद्र मोहन चतुर्वेदी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शत्रुघ्न पाठक, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनाली चंद्रा समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिले के 549 पंचायत सहायक/एकाउण्टेन्ट-कम-डाटा इन्ट्री आपरेटरों को बड़ा तोहफा

मानदेय में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी, अब 6 हजार नहीं, 9 हजार प्रतिमाह मिलेगा मानदेय, सितंबर 2026 से लागू होगी संशोधित व्यवस्था

(यंग भारत न्यूज)

उरई। ग्राम पंचायतों में शासन की योजनाओं और जनसुविधाओं को धरातल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे पंचायत सहायकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। शासन द्वारा पंचायत सहायकों के मानदेय में 50 प्रतिशत की वृद्धि किए जाने के बाद जनपद जालौन में कार्यरत 549 पंचायत सहायकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। अब पंचायत सहायकों को 6,000 के स्थान पर 9,000 प्रतिमाह मानदेय प्राप्त होगा। संशोधित मानदेय व्यवस्था सितंबर 2026 से प्रभावी होगी। शासनादेश के क्रम में जिलाधिकारी समीर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनपद में कार्यरत पात्र पंचायत सहायकों को संशोधित व्यवस्था के अनुसार मानदेय का लाभ उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई समय से पूर्ण की जाए। उन्होंने शासन की मंशा के अनुरूप पंचायत स्तर पर सेवाओं के सुचारु संचालन तथा ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। पंचायत सहायक ग्राम पंचायतों में विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कार्यों, अभिलेखों के रख-रखाव तथा ग्रामीणों को आवश्यक जानकारी एवं सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं। मानदेय में यह वृद्धि उनके कार्य के प्रति प्रोत्साहन बढ़ाने के साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर सरकारी सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता को और मजबूत करेगी। 3,000 प्रतिमाह की बढ़ोतरी के साथ प्रत्येक पंचायत सहायक को अब पहले की तुलना में सालाना 36,000 अधिक मानदेय मिलेगा। जनपद के 549 पंचायत सहायकों को इसका लाभ मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत इस महत्वपूर्ण मानव संसाधन को आर्थिक संबल भी प्राप्त होगा।

मेस्सी की विदाई में दिखा जादू, अर्जेंटीना ने बेनिन को 3-0 से हराया

मेस्सी युग का अंत, 21 साल 126 गोल और अनगिनत यादें



यूएस आउट

अर्जेंटीना एक ऐसी वास्तविकता का सामना कर रहा है, जिसको कल्पना करना भी कभी मुश्किल था कि राष्ट्रीय टीम में महान फुटबॉलर लिगेनेले मेस्सी नहीं होंगे। मेस्सी को निवर्तित किए एक महान खिलाड़ी के संन्यास को कहानी नहीं, बल्कि अर्जेंटीना के फुटबॉल के एक स्वर्णिम अध्याय के खाम होने का भी अहसास है।

मेस्सी (39 वर्ष) ने अर्जेंटीना की जर्सी में अपना आखिरी मैच खेला और दो दशक से अधिक लंबे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर को भव्य विदाई दी। जिस खिलाड़ी ने अर्जेंटीना के फुटबॉल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, उसके जाने के साथ टीम एक ऐसे युग के अंत की गवाह बने, जिसे हमेशा याद किया जाएगा। मेस्सी ने 21 वर्षों तक खेलते हुए 126 गोल दागे, दो कोपा अमेरिकन खिताब और एक विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहा। उन्होंने विदाई मैच में बेनिन पर मिली 3-0 की जीत में फेवरी पर गोल किया और अन्य दो गोल करने में मदद की।



मैं इस मैदान को नहीं छोड़ना चाहता : मेस्सी

मेस्सी ने कहा, " सच तो यह है कि मैं जितना कभी बोला हूँ, उससे ज्यादा प्यारा रहा है। मैं यहाँ से नहीं जाना चाहता, मैं इस मैदान को नहीं छोड़ना चाहता। मैं वहाँ अपने आपसे कहना चाहता हूँ कि मैं आपसे प्यार करता हूँ, मुझे आपकी कमी खलेगी और मैं भविष्य का शुक्रगुजार हूँ कि मैं अर्जेंटीना का हूँ। " अपने लोगों को दिल जीतना

85,000 से अधिक टिकट 90 मिनट में बिके

यूएस आउट के संवाददाता रिपोर्टिंग के 85,000 से अधिक टिकट 90 मिनट में बिके। 2025 अंत में करीब 60 से 800 डॉलर कीमत वाले इन टिकटों की खेरा दिखाई देने के बाद हीट पर करीब 2,500 डॉलर से भी अधिक पड़ने लगे। अर्जेंटीना की 1978, 1986 और 2022 का विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी उन्हें दिखाई देने के लिए लगे। गैर खराब होने के बाद मेस्सी को अर्जेंटीना की गढ़, जो उनके साथ उनके घरों और कक्षा सेक्टर खिलवा लाए। "ओने ओने, ओने ओने मेस्सी मेस्सी" का गूंजन हुआ खर स्टैंड से उठा जबकि हजारों प्रशंसक उछलते हुए या रोते थे और उनकी ओर ऐसे झुकते बसों उनकी पूजा कर रहे थे। मिडफील्ड में एक कैमरा ने उन्हें इटालियन (अवस्था) कप्तान दिखाया।

स्वियातेक ने 1 घंटा 36 मिनट में जीता मैच, क्वार्टर फाइनल में एंट्री



बीबीसी

इगा स्विप्लव ने अमेरिकी टेनिसर इवा जोविक के खिलाफ 6-1, 6-3 से जीत दर्ज करते हुए चतुर्था अंश के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन को जीत हासिल करने में सिर्फ 1 घंटा 36 मिनट लगे। दूसरे सेट में जोविक ने वापसी की थोड़ी-बहुत कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद जोविक ने मैच पर अपना पबदब बनाए रखा।

पोलिश स्वर ने लगभग तुरंत ही अपना दबदबा बना लिया और शुक्रवाती रात्रि गेम तेजी से जीत लिए। जोविक ने छठे गेम में दो सेट प्वाइंट्स पचाकर आखिरकार अपना खाता खोला, लेकिन स्विप्लव शान रही और आखिरकार अपने पांचवें मौके पर सेट जीत लिया।

जोविक ने दिखाया आक्रामक खेल

कर्टिस नंबर-13 जोविक ने दूसरे सेट की शुरुआत में ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया। स्विप्लव ने शुरूआती गेम में सर्विस तोड़ी और 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन टोल्नर ने अपने हाउंडाउट्स में खेल गहवाई हासिल करना शुरू किया और जल्द ही बराबरी कर ली। अगले गेम में दो ब्रेक प्वाइंट्स बचाकर 3-2 की बढ़त बनाने के बाद मोमेंटम कुछ समय के लिए जोविक को ओर धुका गया। हालाँकि, स्विप्लव ने अग्रिम मोड़ पर फिर से नियंत्रण हासिल किया और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस लगातार दो बार तोड़कर मैच को अपनी पकड़ में कर लिया।



टेलक

क्रिकेट के मैदान पर जब कोई युवा खिलाड़ी अपनी कला से झिलझिल रहता है, तो वह पल हमेशा के लिए अमर हो जाता है। भारत अंडर-19 और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के बीच खेले गए दूसरे यूथ टेस्ट में कुछ ऐसा ही काला कर दिखाया है रोहतक युवा स्पिनर तन्मय बलोदा ने। उनकी कर्तव्यता गेंदबाजी के प्रदर्शन ने फंमारजों को 10 विकेट से घेरकर चौथे रन पर 2-0 से ऐतिहासिक कब्जा जमा लिया है। तन्मय ने इस मुकाम पर अपनी गिरफ्तो का ऐसा साक्षात्कार बना कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज चोरी खाने प्यत नजर आए। उन्होंने मैच में कुल 14 विकेट झटककर विश्व क्रिकेट में तहलका मचा दिया है। पहली पारी में 32 रन देकर 6 विकेट और दूसरी पारी में महज 41 रन देकर 8 विकेट यानी कुल 73 रन पर 14 विकेट किए। यह यूथ टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का सबसे बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन है।

एशियाई पैरा खेलों में भारत के ध्वजवाहक होंगे भगत-भाविना

18 से 24 अक्टूबर तक नागोया में होगा एशियाई पैरा खेल

नई दिल्ली

पैरालिंपिक चैंपियन भगत भगत और भाविना फॉल 18 से 24 अक्टूबर तक जापान के नागोया में होने वाले एशियाई पैरा खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे। भारत के सबसे प्रसिद्ध पैरा वेडजिस्टर खिलाड़ियों में शामिल भगत ने 2014 से 2023 के बीच एशियाई पैरा खेलों में छह पदक जीते हैं, जिनमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना ने 2018 से 2023 के बीच एशियाई पैरा खेलों में एक रजत और एक कांस्य पदक जीता है। भाविना ने कहा, "भारत का



ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए बेहद गर्व का क्षण है।" उन्होंने कहा, "जब आप तिरंगा धामने हैं तो आपको एड्रेस होता है कि आप अपने से कहीं बड़ी चीज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैं प्रमोद के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर उत्साहित हूँ। मुझे उम्मीद है कि हमारे सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

8 अक्टूबर को रवाना होगा भारतीय दल

भारतीय पैरासपोर्ट्स कमिटी (पीसीआई) 8 अक्टूबर को विश्व विदाई समारोह में भारतीय दल को औपचारिक रूप से रवाना करेगी। समारोह में खेल भोगी डॉ. मरकुल मरकुल कुल अतिथि होंगे जबकि युवा भगने से खेल राज्य मंत्री राजू ब्रिजित खन्ने सम्मिलित अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। पीसीआई अध्यक्ष केएच ब्रिजित ने कहा, "उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना भारत का भारतीय दल का चेहरा करवा सकते हैं और उन्हें बेहद गर्व करेगा।

सोनम की नजरें विश्व चैंपियनशिप में ओलंपिक कोटा हासिल करने पर

सुनम (संवाद)। एशियाई खेलों की राजल पदक विजेता सिद्धांत सोनम साठवत ने सुनम को कल के उछालो जगते जगते नज़रों में लाए। अष्टमशताब्दी विश्व चैंपियनशिप में 2028 लॉन्ग एजिलिंस अलंपिक के लिए कोटा स्थापित करने पर है। अष्टमशताब्दी विश्व चैंपियनशिप का आयोजन काठार के देश में फर से 14 अक्टूबर तक किया जाएगा। जिसने 2028 ओलंपिक के लिए कुल 36 कोटा स्थापित कर दिए। सोनम ने यहाँ पंचिख रेलवे द्वारा आयोजित मंडिख खनन के इतर पीटीआई चंडिखी से कहा, "पदक नहीं खे खे विश्व चैंपियनशिप है जहाँ ओलंपिक कोटा जगल है।

2036 ओलंपिक मेजबानी : पेश होगी दावेदारी की पहली प्रस्तुति

भारत का विजन 'राइजिंग टुगेदर'

नई दिल्ली

खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष फेटी उष ने घोषणा की कि 2036 ओलंपिक को मेजबानी के लिए भारत की दवेदारी 'राइजिंग टुगेदर' (संघ मिलकर आगे बढ़ना) के विजन पर आधारित होगी और देश इस महान के अंत में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भाविथ मेजबान आयोग के सामने अपनी दावेदारी की पहली प्रस्तुति देगा। आईओसी ने कहा था कि भारत, जर्मनी, कतर और तुर्किये समेत सात देशों ने 2036 ओलंपिक को



मेजबानी में दिलचस्पी जताई है इसलिए इन देशों को अगले महीने आईओसी के भाविथ मेजबान आयोग के सामने अपने खेलों से जुड़े प्रस्ताव पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

दुवाओं के लिए पैदा होंगे नए अवसर

मांडविया ने कहा, "2036 के लिए भारत की महत्वाकांक्षा एक सरल विचार पर आधारित है कि खेल हमारे देश के भाविथ की आका देने में मदद कर सकते हैं। ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों की मेजबानी से लाखों युवा भारतीय खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे, स्वस्थ और सक्रिय समुदाय मजबूत होंगे तथा शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

भारत में नहीं हुआ ओलंपिक का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक का मेजबानी के लिए भारत का प्रस्ताव का एहर है। भारत ने 1981 तक ओलंपिक का आयोजन नहीं हुआ है। भारत ने 2024 में खेलों को मेजबानी के लिए अपना विचारपत्र पत्र (एक्सप्रेस ऑफ इंटेंसिटी) आईओसी को पेश था। जब वे कहा कि आईओसी भारत को ओलंपिक मेजबानी की अकांक्षाओं को आईओसी को और से गिरी सावधान से देखे सम्मिलित समुदाय कर रहा है। उन्होंने कहा, हमें विश्वास है खेलों के सम्मिलित मेजबानी के एक उल्लेख्य समुदाय का विकास होने पर यह है। 'राइजिंग टुगेदर' महज एक नारा नहीं

उपाने कहा, हमारे लिए राइजिंग टुगेदर महज एक नारा नहीं है बल्कि भारत को उन्नी महत्वाकांक्षा और विकास को एक उल्लेख्य समुदाय के छोड़ देकर करने का नजर प्रविष्टिगत है। उन्होंने कहा, "2036 के लिए भारत (पेरिलमपा) केर तले समुदाय भरत ऐसे खेलों में मेजबानी करना चाहते हैं जो एक युवा, रोजगार और उम्मेदरा के उल्लेख्यता को बढ़ावा देते हैं। यह ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों को बढ़ावा देने का समुदाय और दुनिया भर में कर विचार एक पहलू को महत्वाकांक्षा में योगदान है।

आईसीसी रैंकिंग : भारतीय कप्तानों का जलवा अखर 7वें पायदान पर, टॉप पर बरकरार गिल

एबीसी

भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि बल्लेबाज कप्तान शुभमन गिल ने 50 अंकों की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की 43 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों से सजी नाबाद 102 रन की पारी ने टी20 विश्व चैंपियन को मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ खरीज के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई। इस निस्कोटक पारी से अय्यर को 18 पायदान का फायदा हुआ, जिससे वह इस प्रारूप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गए हैं।



शीर्ष 10 में शामिल भारत के 4 बल्लेबाज

इरान फिरोज और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं जबकि लिंक बर्मा 10वें स्थान पर हैं, जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। पंडित बर्मा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गिल की शीर्ष पर स्थिति मजबूत

गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में नाबाद 223 रन बनाने के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वह बल्लेबाज हैं, जिसने उन्हें 25 रैंकिंग अंक दिलाए और इस प्रदर्शन से उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रैंकिंग अंकों को बचाया की। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक के बाद केवल गहलु को सात पायदान का फायदा हुआ, जिससे वह 10वें स्थान से शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं।

रकरफोर्ड को 10 पायदान का फायदा : वेस्टइंडीज के बल्लेबाज लेफ्टहैंड रकरफोर्ड को तेजफोर्ड 56 रन की पारी ने उन्हें 18 पायदान के फायदे से आठ स्थान पर पड़ना दिखा जबकि जस्टिस के हलक बल्लेबाज (62 पायदान) के फायदे से 48वें स्थान पर) फिरोज खेलों के बल्लेबाजी में उभर रहे हैं।

प्रणय, मानेपल्ली और चौहान बाहर कृष्णा और पृथ्वी की जोड़ी जीती

सांता (फिलिप) (भाषा)। कृष्णा प्रसन्न पारा और पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय की जोड़ी ने चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त की जि तिग और रन शिवांग यू की जोड़ी को हराया लेकिन भारत के पृथ्वी एकल खिलाड़ियों का अर्कटिक अपेक्ष सुपर 500 बेटीमिटर के पहले दौर में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। कृष्णा और पृथ्वी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त

की और रन को 10, 21, 21, 18, 22, 20 से मारें हैं। हलर्कि एक्सस प्रणय, धारन मानेपल्ली और रैनक चौहान पुरुष एकल में पहले दौर की बाधा पर करने में विफल रहे। चौबीस वर्ष के प्रणय को चौथी वरीयता प्राप्त डेनमार्क के एंडर्स एंटेनसन ने 21, 13, 21, 9 से हराया। चौहान की चीन के वेग होग बांग के खिलाफ 20-22, 22-

20, 17-21 में हार का सामना करना पड़ा जबकि मानेपल्ली को डेनमार्क के मैक्स योहानसन ने 21-16, 21-14 से शिकस्त दी। तन्वी शर्मा ने ताईवान की चिचु फिन चियान को 21, 15, 21, 17 से हारा दूसरे दौर में प्रवेश किया लेकिन ईशरानी बरुआ को शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड की रतचानोक इतानोन ने 21, 10, 21, 15 से मार दी।

न्यूजीलैंड के दिग्गज टिम साउदी और भारत के एस. विद्युत

इसके तल हो तन्मय ने न्यूजीलैंड के दिग्गज टिम साउदी (12.92) और भारत के एस. विद्युत (12.12) के रिस्को को छोड़ दिया। वह युव टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। टिम साउदी ने 12 विकेट लेकर रिस्को 2007 में भारत के खिलाफ छहवें और एस विद्युत ने 2001 में भारत को और से 12 विकेट लेकर रिस्को छहवें न्यूजीलैंड के अग्रिम तन्मय ने पहली पारी में 28 रनों का उछाली योगदान दे दिया। मैच की छह घंटे से ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 114 रन पर निरहता। इसके जवाब में भारत ने 315 रन बरकरार और 140 रन को बढ़ा हासिल की। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया टिम साउदी को फिर से के अगे फिर लक्ष्यबद्ध और 151 रन पर टेड हो गई। भारत ने विश्व कप क्रिकेट कोर तन्मय हासिल कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। तन्मय के इस प्रदर्शन ने उनकी परिचय से खुशी का महीना है। तन्मय के पिता एसवीए ने कहा कि उन्हें ने बहुत आश्चर्य से हैं। उन्होंने कहा कि इनके पहले 2025 में युव विश्व टूर्नामेंट में से उमरा ने 14 विकेट लिए थे। तन्मय ने अपनी सफलता पर वेग हरिवाम क्रिकेट एशियाई के अध्यक्ष अनिलकुल पैरों में सेट उनकी पर परिचय कर दिया है।

नेशंस लीग

हैरी केन ने खेला 125वां मैच, दागे शानदार दो गोल

इंग्लैंड ने चेकिया को 3-0 से हराया



लंदन

इंग्लैंड के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने अपने करियर के 125वें अंतरराष्ट्रीय मैच में दो गोल दागर एक ख़ास रिकॉर्ड की बराबरी की। उनकी शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने चेकिया को हराया और अगले साल रूसियों में होने वाले यूरोपियर नेशंस लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया। केन के दो गोल ने

टीम को जीत में अग्रिम भूमिका निभाई। केन ने सिर्फ 11 साल और 193 दिनों में इंग्लैंड के लिए 125 मैच खेलने का मुकाम हासिल किया। वह हिल्टन (19 साल, 224 दिन) को तुलना में 8 साल और 31 दिन कम समय है। केन ने इस मुकाम में दो गोल किए, जो उनके अंतरराष्ट्रीय करियर के 90वें और 91वें गोल हैं। इंग्लैंड ने चेकिया को 3-0 हराकर मैच अपने नाम कर लिया।

मानुष-दीया की जोड़ी चीन स्मैश के सेमीफाइनल में

बॉलिंग (संवाद)। मानुष साह और योग किर्तने कुमार को यहां बल्लेबाजी चीन स्मैश के लफ्टर फाइनल में सेमीफाइनल के फायदे। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच को 3-0 से हराकर इतिहास रचते हुए बल्लेबाजी चीन स्मैश के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय हैं। मानुष साह और योग किर्तने ने 11-3 से हराकर अंतिम बार से जगह बनाई। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने अग्रवर्धन बर्मा करने हुए पिछले साथ सेमीफाइनल जीते थे। इस जीत ने मैच में मैच हार का खयाल भी मुक्त किया। हालांकि भारत के जगन ठक्कर पुरुष एकल के अंतिम 32 दौर में प्रवेश के सफाई करीना प्रणय एलेक्सिस लेवुस से 0-3 से हराकर प्रविष्टिगत के बल्ले हो गए। मल्लिक गुप्ता ने चौथे और बरहिली प्रिफेरे को जीते हैं। अंतिम 16 के मुकाम में तीसरी बार को थाओ युधिष्ठिर और शिवांग जगहिल के खिलाफ 2-3 से वरीयता हार का खयाल करवा पड़े।

मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए, हम क्या आहार ले रहे हैं, इसकी गुणवत्ता पोषण पर भी ध्यान देना जरूरी है। जानिए ऐसी डाइट के बारे में, जिससे आप रहेंगे मेंटली हेल्दी।

तन ही नहीं मन पर भी पड़ता है डाइट का असर

डाइट सजेसन
संवा राणी



हम जो भी भोजन खाते हैं, उसका असर केवल हमारे शरीर पर ही नहीं, बल्कि हमारे मानसिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। संतुलित और पोषक भोजन शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ मानसिक के सामान्य काम-काज, अच्छी नींद और मूड को अच्छा बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट: भोजन में ओट्स, ब्राउन राइस, ज्वार, बाजरा और साबुत अनाज जैसे कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट शामिल करने से इनका पाचन धीरे-धीरे होता है और रक्त में ग्लूकोज का स्तर अपेक्षाकृत स्थिर बना रहता है। तब शर्करा का स्तर अचानक कम होने पर पिछड़ाइयान और घबराहट जैसी भावनाएं बढ सकती हैं। इसके विपरीत, स्थिर ग्लूकोज स्तर शरीर को लगातार ऊर्जा देने में मदद करता है। साथ ही, कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन सेरोटोनिन के निर्माण को प्रक्रिया में भी भूमिका निभा सकता है। सेरोटोनिन फील-गुड हार्मोन है, जो मूड तथा भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रोबायोटिक - फर्मेंटेड फूड्स: परंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थ जैसे दही, इडली, खोसा, अचार और छाछ प्रोबायोटिक्स से भरपूर होते हैं। ओलों में मौजूद अच्छे जीवाणु लगभग 90 प्रतिशत सेरोटोनिन नामक रॉगिक के उत्पादन में योगदान देते हैं। जब ओलों का सूक्ष्मजीव समुदाय संतुलित रहता है, तो यह तनाव, चिंता और मानसिक थकान जैसे लक्षणों को बेहतर ढंग से संभालने में शरीर का सहायक कर सकता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड: माछली में पाया जाने वाला ओमेगा-3 फैटी एसिड मानसिक को कोशिकाओं की झिल्ली की संरचना और उनके सामान्य कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में ओमेगा-3 को कम मात्रा और डिप्रेसन के लक्षणों के बीच संबंध देखा गया है। इसलिए आहार में पर्याप्त मात्रा में ओमेगा-3 शामिल करना मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी उपयोगी हो सकता है। शाकाहारी लोग अखरोट, अलसी के बीज और चिया सीड्स से ओमेगा-3 प्राप्त कर सकते हैं।

ट्रिप्टोफैन युक्त फूड्स: अंडे, दुध, पनीर, केला और कद्दू के बीज जैसे खाद्य पदार्थों में

ट्रिप्टोफैन (अमीनो एसिड) पाया जाता है। ट्रिप्टोफैन शरीर में सेरोटोनिन के निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि रक्त में भोजन में ट्रिप्टोफैन युक्त खाद्य पदार्थों को संतुलित मात्रा में शामिल किया जाए, तो वे अच्छी नींद और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। मैग्नीशियम की कमी से मांसपेशियों में जकड़न, थकान और घबराहट जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मेथी, फलक, कद्दू के बीज, बादाम और डार्क चॉकलेट जैसे मैग्नीशियम से भरपूर खाद्य

पदार्थ शरीर को मैग्नीशियम की आवश्यक मात्रा प्राप्त करने में मदद करते हैं। मैग्नीशियम तंत्रिका तंत्र के सामान्य कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और तनाव से जुड़ी शरीर की प्रक्रियाओं को संतुलित रखने में भी सहायक हो सकता है।

विटामिन डी: अंडे की जर्डी, मछली और फोर्टिफाइड दूध विटामिन डी के अच्छे स्रोत हैं। विटामिन डी की कमी मौसमी तनाव और लगातार उदासी की भावना से जुड़ी हो सकती है। सुबह की धूप के साथ-साथ इन खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करना विटामिन डी की पूर्ति के लिए एक अच्छा विकल्प है।

एंटीऑक्सीडेंट युक्त फल-सब्जियां: निश्चित रूप से अपने भोजन में रंग-बिरंगे फल और सब्जियों को शामिल करना मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक स्थिरता बनाए रखने में मददगार साबित हो सकता है। जामुन, संतरा, अनार, टमाटर और शिमला मिर्च जैसे रंगीन फल और सब्जियां एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। ये शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने और मानसिक को कोशिकाओं की रक्षा करने में मदद करते हैं। ये विटामिन मानसिक को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक हैं।

(डाइटिशियन डॉ. अंशु चौहान से बातचीत पर आधारित)

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ-डे 10 अक्टूबर, स्पेशल

डॉक्टर एडवाइस
डॉ. अपर्णा रामकृष्णन
लैंगिक ताकतविक
कोविडकेबे अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में तनाव, चिंता और भावनात्मक थकान बहुत कॉमन हो गए हैं। काम का दबाव, पढ़ाई से जुड़ी जिम्मेदारियां, आर्थिक चिंताएं, रिश्तों में कठिनाइयां, नींद की कमी और लगातार डिजिटल दुनिया से जुड़े रहना धीरे-धीरे व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। कभी-कभार होने वाला तनाव कठिन परिस्थितियों के प्रति शरीर और मन की सामान्य प्रतिक्रिया है, लेकिन यदि भावनात्मक परेशानी लगातार बनी रहे तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

तनाव जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन जब यह लगातार बना रहे और व्यक्ति की नींद, भूख, एकाग्रता, रिश्तों या काम और दैनिक जीवन में सामान्य रूप से कार्य करने की क्षमता को प्रभावित करने लगे, तो डॉक्टर से कंसल्ट करने की आवश्यकता हो सकती है।

अपनाएं बैलेंस्ड लाइफस्टाइल

अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पहला कदम स्वस्थ दैनिक आदतों विकसित करना है। नियमित समय पर सोना-जागना, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, संतुलित भोजन करना, पर्याप्त आराम करना और अपने शौक के लिए समय निकालना भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकता है। परिवार और दोस्तों के संपर्क में रहना तथा अपनी भावनाओं के बारे में खुलकर बातचीत करना अकेलेपन की भावना को भी कम कर सकता है। यह पहचानना भी बहुत जरूरी है कि रोजमर्रा का तनाव कौन से गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या का रूप तो नहीं ले रहा है।

हार्मफुल है अधिक चिंता करना

चिंता का असर मन और शरीर दोनों पर पड़ सकता है। लगातार चिंता करते रहना, बेचैनी, चिड़चिड़ापन, ध्यान लगाने में परेशानी, नींद खराब होना तथा लगातार डर या घबराहट महसूस होना रोजमर्रा की जिंदगी में बाधा डाल सकता है। कुछ लोगों में इसके शारीरिक लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं, जैसे- दिल की धड़कन तेज होना, अधिक पसीना आना, मांसपेशियों में तनाव या थकान, फुट का सूखना, सीने में जकड़न, गला



पूरी तरह हेल्दी रहने के लिए केवल शारीरिक ही नहीं मानसिक तौर पर भी स्वस्थ रहना जरूरी होता है। आज के तनावपूर्ण और माकदौड़ भरी जीवनशैली में अनेक लोग चिंता, अवसाद और तनाव जैसी मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि इन समस्याओं के कारण क्या हैं, इनकी पहचान कैसे होती है और इनका उपचार कैसे कर सकते हैं?

फिजिकल की तरह ही इंपॉर्टेंट है मेंटल हेल्थ



घुटने जैसा महसूस होना, ऐसा लगना कि ठीक से सोंस नहीं ले पा रहे हैं।

हालांकि हर बार चिंता या घबराहट होना ऐंजाइटी डिसऑर्डर (चिंता संबंधी विकार) का संकेत नहीं होता। लेकिन जब चिंता बार-बार होने लगे, बहुत ज्यादा बढ़ जाए, व्यक्ति को काफी मानसिक परेशानी देने लगे या उसके काम, पढ़ाई, रिश्तों अथवा दैनिक गतिविधियों को प्रभावित करने लगे, तो किसी योग्य मनोचिकित्सक या क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से जांच/सलाह लेना महत्वपूर्ण है।

डिप्रेसन को समझना है जरूरी

आज के दौर में डिप्रेसन (अवसाद) एक सामान्य मानसिक स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है, जिसे कई बार पहचाना नहीं जा पाता। यह केवल कुछ समय के लिए उदास रहने या किसी काम को करने की इच्छा न होने तक सीमित नहीं होता है। डिप्रेसन व्यक्ति के सोचने और महसूस करने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। वह अपने बारे में, अपने आस-पास की परिस्थितियों के बारे में और अपने भविष्य के बारे में किस तरह सोचता है। इसका असर नींद, काम और दूसरे लोगों के

साथ बातचीत पर भी पड़ सकता है।

डिप्रेसन के प्रमुख लक्षण

डिप्रेसन के प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं-दिन के अधिकांश समय उदासी या खालीपन महसूस होना। उन गतिविधियों में रुचि या अहंनंद कम हो जाना, जिनमें पहले खुशी मिलती थी। ऊर्जा की कमी महसूस होना। लोगों से बातचीत करने में रुचि कम होना। नींद या भूख में बदलाव होना। ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई महसूस होना। अपराधबोध या खुद को बेकार समझना। निराशा और असहायता की भावना। मृत्यु की इच्छा या आत्महत्या के विचार आना। इनके अलावा कुछ लोग परिवार और दोस्तों से दूरी बनाने लगते हैं या उन गतिविधियों को करना बंद कर देते हैं, जिनका वे पहले आनंद लेते थे। डिप्रेसन कभी-कभी बिना किसी स्पष्ट कारण के शरीर में दर्द, जल्दी चिड़चिड़ापन या नशीले पदार्थों के सेवन में बढ़ोतरी के रूप में भी दिखाई दे सकता है।

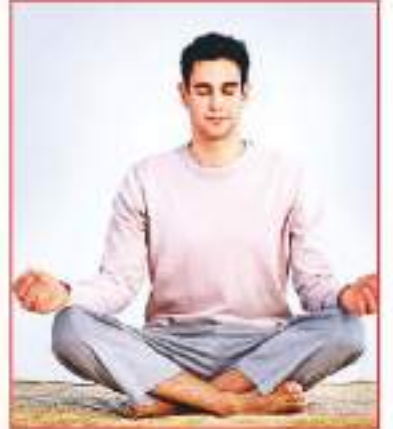
डिप्रेसन का ट्रीटमेंट

डिप्रेसन को केवल एक दौर या ऐसी चीज समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, जिसे

क्या बस अपनी इच्छा से ठीक कर सकता है। जब लक्षण लगातार बने रहें और दैनिक जीवन को प्रभावित करने लगें, तो एक्सपर्ट डॉक्टर को गाइडेंस जरूरी है। डिप्रेसन का इलाज संभव है और समय पर उपचार शुरू करने से महत्वपूर्ण फर्क पड़ सकता है। डिप्रेसन का उपचार हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है। इसमें साइकोथेरेपी, जीवनशैली में बदलाव और जरूरत के अनुसार दवाएं शामिल हो सकती हैं। अनुभवी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लक्षणों का मूल्यांकन करके उचित उपचार का सुझाव दे सकते हैं।

ऐसे करें मेंटल हेल्थ केयर

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भी नियमित ध्यान देने की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह जैसे हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं। इसके लिए पर्याप्त नींद लेना, सक्रिय रहना, अच्छे और महत्वपूर्ण रिश्तों को बनाए रखना, अपने लिए वास्तविक और उचित अपेक्षाएं रखना तथा आराम करने और तनाव कम करने के लिए समय



निकालना भावनात्मक रूप से सहायक करने में मदद कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हेल्थ के लिए मदद मांगना कमजोरी की निशानी नहीं है। यह पहचानना कि कुछ ठीक नहीं है और किसी योग्य विशेषज्ञ से सहायता लेना सुधार और स्वस्थ होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। किसी भी प्रकार की मानसिक समस्या को शुरूआती स्तर पर पहचानने और मनोचिकित्सक से परामर्श लेने पर लोग तनाव और चिंता को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सकते हैं। इसी तरह डिप्रेसन का उचित उपचार लेना और रोजमर्रा की जिंदगी की चुनौतियों से निपटने के स्वस्थ तरीके विकसित करना सीख सकते हैं। इससे आप मेंटली हेल्दी रहेंगे।

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

डिजीज

डॉ. जे. रावत

लैंगिक किंगडॉम, दिल्ली

सेप्सिस या सेप्टीसीमिया सीधियर मेडिकल स्थिति है, जो छोटी-सी चोट या घाव से शुरू हो सकती है। जिस पर ध्यान न देने पर यह जानलेवा हो सकती है। सेप्सिस में हमारा शरीर किसी इन्फेक्शन के प्रति इम्यून रिप्लेशन करने लगती है। इसकी वजह से शरीर अपने ही टिश्यूज को डैमेज करने लगता है यानी खुद को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देता है।

असल में हम किसी तरह का इन्फेक्शन (फंगल, वायरल, बैक्टीरियल) होता है, तब हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम उस इन्फेक्शन के खिलाफ रि-एक्शन करता है। इस रि-एक्शन के दौरान शरीर कई तरह के एंजाइम्स या प्रोफ्लैप्सिडोनिन प्रोटीन रिलीज करता है, जो आमतौर पर शरीर को इन्फेक्शन से बचाते हैं। लेकिन सेप्सिस की स्थिति में शरीर का इम्यून सिस्टम इन एंजाइम्स को ठीक तरह रिस्पॉंड नहीं कर पाता या कंट्रोल से बाहर हो जाता है। यह रिप्लेशन इतना बढ़ जाता है कि शरीर अपने ही अंदरूनी अंगों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देता है।

सेप्सिस की एडवांस स्टेज को सेप्टिक शॉक मल्टीऑर्गन फेलियर कहा जाता है। इसमें इंफ्लामेटरी रिस्पॉंस की वजह शरीर में डिहाइड्रेशन होना शुरू हो जाता है, ब्लड सर्कुलेशन में बदलाव आने लगता है, मरीज का ब्लड प्रेशर बहुत कम हो जाता है। इस कॉम्प्रोमाइज्ड सर्कुलेटरी सिस्टम के कारण शरीर के विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन ठीक तरह से नहीं पहुंच पाती। जिसका असर फेफड़ों, हार्ट, किडनी जैसे अंगों पर पड़ता है। शरीर में शॉक और मल्टीऑर्गन फेलियर जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। मरीज की मौत भी हो सकती है।

क्या कहते हैं आंकड़े: एक रिपोर्ट के हिसाब से पूरे एशिया में भारत सेप्सिस से होने वाली



अक्सर लोग मामूली चोट को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कई बार छोटी सी चोट भी सेप्सिस में बदल जाती है और जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए इसके बारे में पूरी जानकारी होना आवश्यक है। सेप्सिस के कारण, लक्षण और उपचार के बारे में बहुत उपयोगी सलाह।

कहीं चोट न बन जाए जानलेवा सेप्सिस



मौतों (तकरीबन 34 प्रतिशत) में दूसरे नंबर पर आता है। आईसीयू में भर्ती लोगों को इसका ज्यादा खतरा होता है। विडंबना है कि इसके बारे में लोगों में जागरूकता की कमी है और इसकी वजह से लाखों लोगों को जान गंवानी पड़ती है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में हर 3 सेकंड में किसी एक व्यक्ति को सेप्सिस से मौत हो जाती है। क्या है कारण: शरीर में अधिकतर इन्फेक्शन सेप्सिस की वजह बन सकते हैं जैसे- निमोनिया, यूरिनरी ट्रेक्ट इन्फेक्शन, एब्डोमिन इन्फेक्शन, स्किन इन्फेक्शन, मेनेंजाइटिस ब्रेन इन्फेक्शन। कभी-कभी छोटी-सी चोट लगने,

खरोंच आने, कटने, कीड़े के काटने पर भी सेप्सिस हो सकता है। अगर वो इन्फेक्शन समय रहते ठीक न हो, तो बैक्टीरिया पूरे शरीर में फैल सकते हैं और सेप्सिस इन्फेक्शन विकसित हो सकता है।

क्या हैं लक्षण: तेज बुखार आना, ब्लड प्रेशर में बार-बार उतार-चढ़ाव होना, असहनीय बदन दर्द होना, थकावट और कमजोरी महसूस होना। ब्लड प्रेशर कम होना। स्किन के घाव में से पस निकलना, पेट में दर्द होना। हार्टबीट बढ़ना। शरीर में सूजन आना और ब्लड क्लॉट होना।

क्या होता है असर: शरीर के विभिन्न अंगों

सेप्सिस से ऐसे करें बचाव

- ▶ फल, जिम्मेनिया या इन्फेक्शन से बचाव के लिए फल वैक्सीन जरूर लगवाएं।
- ▶ साफ-सफाई और पर्याप्त हाइजीन का ध्यान रखें। रेगुलर हैंडवॉश करें।
- ▶ टैल्पी लाइफस्टाइल में रहें। रेगुलर एक्सरसाइज करें।
- ▶ किसी भी तरह की चोट लकने या इन्फेक्शन को नजरअंदाज न करें। डॉक्टर से कंसल्ट करें।
- ▶ अपने आप कोई दवाइयें न लें। डॉक्टर द्वारा की गई एंटी-बायोटिक का कोर्स नियमित ले और कोर्स पूरा करें।
- ▶ पौष्टिक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार लें।



पर असर पड़ने से उन अंगों का ठीक तरह काम न कर पाना, जैसे- लिवर पर असर होने पर जांडिस होना, फेफड़ों में एक्यूट रेस्पेरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम होना, ऑक्सीजन लेवल कम होना, सांस लेने में दिक्कत होना, ब्रेन पर असर होने पर बेहोशी आना, दिरे पड़ना, स्किर दर्द होना, किडनी पर असर होने पर यूरिन में कमी होना, स्किन पर रेशेज होना, स्किन के कलर में बदलाव होना।

किन्हें है ज्यादा रिस्क: किसी भी तरह के इन्फेक्शन से जुड़ा रहे लोग, निमोनिया बुखार से पीड़ित, शुगर कंट्रोल न होने पर डायबिटीज, लिवर या हार्ट की बीमारी हो, इम्युनिटी कमजोर होना, 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग या 2 साल से कम उम्र के बच्चे।

कब जाए डॉक्टर के पास: सतर्क रहना जरूरी है। जब भी मरीज को बुखार के साथ किसी तरह की चोट या इन्फेक्शन हो, सांस तेज चल रही हो, ब्लड प्रेशर कम हो रहा हो। तो बिना देर किए डॉक्टर को कंसल्ट करना चाहिए।

क्या है इलाज: मरीज की स्थिति के आधार पर इलाज किया जाता है। प्रो-कैल्सिटोनिन प्रोटीन का पता लगाने के लिए बीआरएचएमएस प्रो. कैल्सिटोनिन ब्लड टेस्ट, ब्लड कल्चर, इन्फेक्शन वाली जगह से कल्चर किया जाता है। कोशिश की जाती है कि मरीज के अंग कम से कम प्रभावित हों और सेप्सिस इन्फेक्शन जल्द ठीक हो जाए। जैसे- ब्लड प्रेशर कम होने पर इंटरावेस्कुलर ड्रॉप से फ्लूइड दिए जाते हैं। ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के लिए येजो प्रेशर मेडिसिन दी जाती है। इन्फेक्शन कंट्रोल करने के लिए एंटी-बायोटिक मेडिसिन दी जाती है। सांस लेने में दिक्कत होने पर मरीज को ऑक्सीजन भी दी जाती है। स्किन में इन्फेक्शन होने पर पस निकल रही हो तो उसे साफ करने के लिए सर्जरी भी की जाती है।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

